

182510



TO min







- भूमि का प्रकार कृषि भूमि
- मौडल्ला / ग्राम....मीजा सतोडा असगरपुर तहसील व जिला मधुरा
- मापन की इकाई (हैक्टेयर) एकवा 0.995 हैक्टेयर
- सम्पत्ति का प्रकार :- कृषि मृमि
- पेडों का मृत्यांकन....नहीं
- बोरिंग / कुंबर / अन्य. मही

हरनी तम्हा





182511

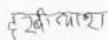
2 2 JAN 2007 Sr. T.O. Mathura

(2)

- 7. प्रतिफल की धनराशि...3930000 / रूपये
- स्टाम्प हेतु मालियत 3930000 / रूपये
- 9. स्टाम्य देय ३९३०००/-रूपर्य
- सरकारी दर भूमि सडक से दूर 800000/-'रूपये प्रतिएकड़ जो नवीन रेट लिस्ट के पृथ्व सं0 52 क्रमांक 29 पर दर्ज है।
   कार्यक्षेत्र उ०नि० मधुरा – प्रथम
   विकेता की संख्या (1)

विक्रेता का विवरण

हरविलास पुत्र श्री घनश्याम निवासी सतोहा असगरपुर तहसील व जिला मधुरा विक्रेता प्रथमपक्ष व उज्जवल अग्रवाल पुत्र श्री सतीशथन्द अग्रवाल निवासी भिडलेण्ड कम्पाण्ड मसानी चौराहा, मथुरा मुहायदा वै घारक द्वितीयपक्ष पक्षगण इस लेखपत्र के हैं।







182512

2 2 JAN 2007 Sr. T.O. Mathilya

(3)

क्रेता की संख्या (1) क्रेता का विवरण

सुदीप कुमार अग्रवाल पुत्र स्व० श्री जमुनाप्रसाद जी अग्रवाल निवासी 111, श्रीजमुनाधाम कालौनी, मोवर्धन चौराहा, मधुरा

देर युग्गारी

In Agricult



182513

# 2 JAN 2007

(4)

हमिक हर्ग्विलास पुत्र श्री धनश्याम निवासी सतोहा असगरपुर तहसील व जिला मधुरा विकेता प्रथमपद्म व उज्जवल अग्रवाल पुत्र श्री सतीशचन्द अग्रवाल निवासी मिडलेण्ड कम्पाण्ड मसानी चौराहा, मधुरा मुहायदा वै धारक द्वितीयपद्म पक्षगण इस लेखपत्र के हैं।



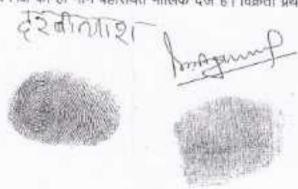


182514

2 2 JAN 2007 Sr. T.O. Mathula

(5)

जो कि आराजी संक्रमणीय भूमिधरी खाता नबर-494 व खसरा नंबर-29 रकवा 0,995 हैक्टेयर लगानी 16/40 रूपयो सालाना बाकै मौजा सतोहा असगरपुर तहसील व जिला मधुरा मिल्कियत विक्रेता प्रथमपक्ष है और सरकारी कागजात माल में विक्रेता प्रथमपक्ष का ही नाम बहैसियत मालिक दर्ज है। विक्रेता प्रथमपक्ष का ही कब्जा है और



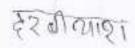


182515



(6)

जिसके विषय में विक्रेता प्रथमपक्ष को हर तरह के अधिकार प्राप्त है और जो हर तरह के झगड़े झंझटों व कजों आदि से पाक साफ है सिवाय पिक्रेता प्रथमपक्ष के अन्य किसी का कोई हक हिस्सा व सम्बन्ध नहीं है न कोई ऐसा व्यक्ति अथवा वस्तु है जो विक्रेता प्रथमपक्ष के इस बैनामा करने में कोई सकावट या बाधा पैदा कर सके जक्त आराजी पर किसी भी वित्तीय संस्था बैंक आदि या व्यक्ति विशेष का कोई भी वार या भार किसी

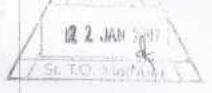








182516



(7)

भी प्रकार का नहीं है यानि कि बेची जाने वाली आराजी एक मात्र पाक साफ मिल्कियत विक्रेता प्रथमपक्ष की ही है भीजे की आराजी का सड़क से दूर होने की वजह से सरकारी रेट 800000/-रूपया प्रतिएकड़ का है और बेचे जाने वाली आराजी की स्टाम्प हेतु मालियत 3930000/-रूपया है कृषि से कोई खास आय





182517



(8)

नहीं हो पाती है सौभाग्य से इस समय कीमत अच्छी मिल रही है बेचने में विक्रेता प्रथमपक्ष का सरासर लाम है कीमत के प्राप्त रूपये को कहीं भी लगा देने से विक्रेता प्रथमपक्ष को एक अच्छी व निश्चित आय हो जावेगी। प्रथमपक्ष ने अपनी उक्त आराजी के बेचने का मुहायदा वै दिनांक-20.2.2006 जिसका निबंधन कार्यांलय उठिमेठ मधुरा





182518



(9)

में बही नंबर-1 जिल्द 3616 के सफा 249/264 मंबर-1713 पर हुई द्वितीयपक्ष से तय किया था मुहायदा वै की शर्तों के अनुसार च उसके अनुपालन में यह विक्रय पत्र द्वितीयपक्ष को शामिल कर उसकी सहमति से किया जा रहा है। अतः उक्त आराजी





182519

12 2 JAN 2007

(10)

को समस्त अधिकारों सहित जो विक्रेता प्रथमपत्त को प्राप्त है या भविष्य में प्राप्त हो सकते हों वएवज 3930000/—उन्तालीस लाख तीस हजार रूपया जिसके आहे 1965000/—उन्नीस लाख पैसठ हजार रूपया होते हैं। बदस्त सुदीप कुमार अग्रवाल पुत्र स्वत श्री जमुनाप्रसाद जी अग्रवाल निवासी 111, श्रीजमुनाधाम कालौनी, गोवर्धन घौराहा, मध्युरा के हक में बै कतई कर दिया

\$20111121 Jonagum





182520

12 2 MAN 2007

11)

और बेच दिया और कीमत का कुल रूपया खरीदार से पहले प्राप्त कर बेची गई उक्त आराजी पर खरीदार का बाकई कब्जा व कब्जा मालिकाना करा दिया । खरीदार बेची गई आराजी का सम्पूर्ण स्वामी हुआ । खरीदार समस्त अधिकार

र्टबालार ।

magning





182521

2 2 JAN 2007 Sr. T.O. Mathura

STACH

12

मालिकाना प्रयोग में लावें और स्वयं जो चाहे सो करें अब विक्रेता प्रथमपक्ष व विक्रेता प्रथमपक्ष व उसके वारिसानों का बेची गई उक्त आराजी से कोई भी सम्बन्ध किसी भी

द्र का गर।







182522

12 2 JAN 2007 St. T.O. Mathur)

13

प्रकार का शेष नहीं रहा न भविष्य में कदापि हो सकेशा। यदि बेची गई उक्त आराजी के सम्बन्ध में कभी कोई विवाद किसी भी प्रकार का उत्पन्न हो या बेची गई उक्त



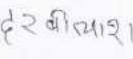


182523



14

आराजी का थोड़ा या कुल कवजा खरीदार से निकल जावे या खरीदार को कुछ खर्च करना पढ़े या देना पढ़े या कोई बार बरामदं हो तो उसकी समस्त जबाबदेही व खर्चा











182524



15

अंदालत व अदा करदा रूपया मय जर समन व जर लागत व सूद व हजी खरीदार सब विक्रेता प्रथमपक्ष जिम्मे है और खरीदार वह सब विक्रेता प्रथमपक्ष से व उसके वारिसानों

हरकी त्यर्ग

Inagum f







182525

STAMP

12 2 JAN 2007

Sr. T.O. Mathura

16

व उसकी चल अचल सम्पत्ति से हस्व जाब्ता मय खर्चे के बसूल करलें । इसमें प्रथमपक्ष को कोई उज्र नहीं होगा। आराजी एक फसला है आराजी कृषी कार्य में आ रही है



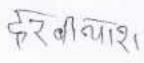


182526

12 2 JAN 2007 St. T.O. Mathura

17

आराजी में इस समय कोई फसल नहीं खड़ी है न ही आराजी में कोई पेड़ आदि है ।









क्लार प्रदेश UTTAR PRADESH

182527

2 2 JAN 2007 St. T.O. Mathura

18

विक्रेता अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं है। उक्त आराजी के 200 मीटर (सराउन्हिंग)

र्ट्यीत्याद्।

Smagung





182528

STEMBER

19

में कृषी कार्य हो रहा है। फोटो प्रमाणित राजेन्द्र प्रसाद पाठक एउयोकेट ने किये हैं।

इंडिकी ज्यादी









A 057118

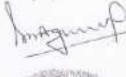
2 2 JAN 2007

Sr. T.O. Mathura

20

उक्त प्रलेख क्रेता विक्रेता के कहे अनुसार गयाहों के समक्ष उन्हें पढ़ा व सुनाकर उनके

65 apro1151









A 057305

2 2 JAN 2007 Sr. T.O. Mathora

21

निर्देशानुसार ड्रापट किया गया है। विक्रेता ने अपना सम्पूर्ण अश बेचा है। तसदीकी मुख्तारनामा आम दि0-5.3.2005 जिसकी रजिस्ट्री कार्यालय सब रजिस्ट्रार मथुरा में

द्रभागार।



Joney mit





B 666003

1 9 JAN 260 to Martin

22

बही नंबर-8 खण्ड 1 के सफा 32/33 पर नंबर-3 पर विनाक-5.3.2005 हुई है रासबिहारी पुत्र श्री मोहनलाल अग्रवाल निवासी पाठक गली, राजाधिराज बाजार, मधुरा

Esqualis!



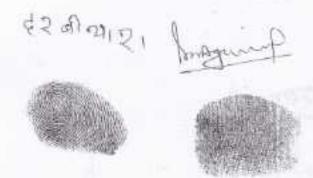
Smagura F

22-1-246 monsein and and now, काञ्य विक्रता मान् नन्न् वर्ष-१६ बद व बब विवस्तान (मञ्जूका) विकेता Registration No. 2007 Year: Book No. 0101 हरविलास यसस्याम सतीस अमगरपुर मधुरा प्राथार



23

को उक्त सुदीप कुमार अग्रवाल पुत्र स्व० श्री जमुनाप्रसाद जी निवासी 111, श्रीजमुनाधाम कालीनी गोवधंन चौराहान मधुरा की ओर से उनके द्वारा हस्ताक्षरित प्रलेख प्रस्तुत करने व निबंधन कराने आदि के पूरे पूरे अधिकार प्राप्त हैं।



minne.



\$ 2 JAN 2007

24

लिहाजा यह बैनामा वखुशी राजी खूबसोचसमझकर लिख दिया कि सनद रहे और समय पर काम आवें।

विनाक-22.1.2007

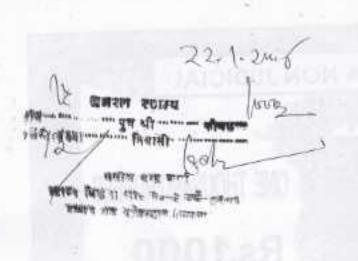
कम्प्यूटराईज्ड : गोपाल कृष्ण आरिया मधुरा

झापट किया : सुभाष कुमार चतुर्वेदी एडवोकेट,मथुरा ।

42 group 1

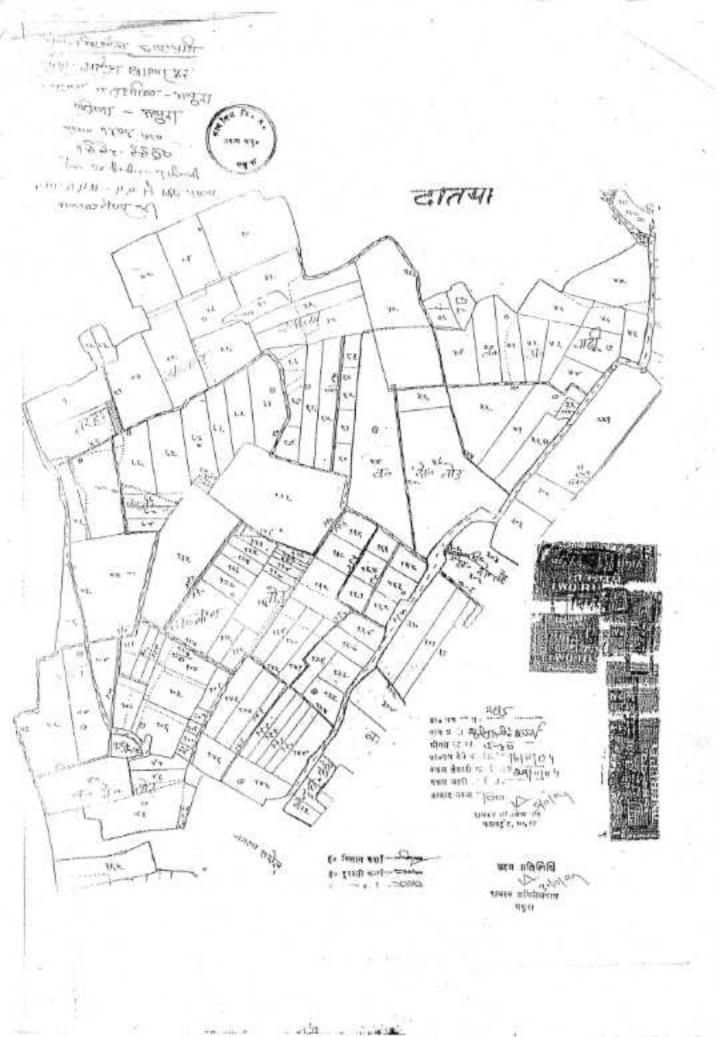
magum)

अवस्ट <del>राजाति हा कार्मानु</del> १९११ म 25/0 Rayon 25/18



आज दिनांक <u>22/01/2007</u> की बही सं <u>1</u> जिल्द सं <u>4105</u> पृष्ठ सं, <u>229</u> से <u>278</u> पर कमांक <u>954</u> रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

> मुकेश श्रीवास्तव उप निबन्धक मधुरा 22/1/2007



4 - 4 -